निशीथ *m.* (r. शी praef. नि s. थ) nox. MAH. 1.4275.

निश्चय *m.* (r. चि praef. निस् s. अ) 1) decisio, judicium, dijudicatio. BR. 2.27.29. BH. 18.4. 2) consilium, decretum, institutum, sententia. SA. 7.6. BH. 2.37. 3) certum, veritas. N. 19.8. — *Instr.* निश्चयेन *Adv.* certe.

निश्चल (*KARM.* e निस् et चल se movens) immotus. BH. 2.53.

निश्चित v. चि praef. निस्.

निश्चेष्ट (*BAH.* e निस् et चेष्ट) motionis, nisûs expers, immobilis, immotus. — *Acc.* निश्चेष्टम् *Adv.* A. 3.40.

निषङ्ग *m.* (r. सञ्ज् praef. नि s. अ) pharetra. RAGH. 2.30.

निषङ्गिन् *m.* (a praec. s. इन्) pharetrâ instructus. RAGH. 7.53.

निषध *m.pl. Nischadhi,* nomen regionis (Wils. *a country in the south-east division of India*). N. 1.3.27.

निषाद *m.* (r. सद् praef. नि s. अ) i. q. किरात. RAGH. 14. 52. et 70.

निषादिन् (r. सद् praef. नि s. इन्) sedens. RAGH. 1.52. 4.20.

निषूदन *n.* (r. सूद् occidere, praef. नि - v. gr. 80. - suff. अन) occisor, *in fine compp.* N. 2.23.

निष्क् 10. *A.* (परिमाणे *K.* माने *V. Denom.* esse videtur, a sq.) pendere, metiri.

निष्क *m.n.* (fortasse a praep. निस् suff. क, cf. उत्क) 1) pondus quoddam auri. HIT. 104.9. 2) pectoris ornamentum. R. Schl. I. 6.9.

निष्क्रय *m.* (r. क्री praef. निस् s. अ) pretium. RAGH. 2.55. 5.22. 15.55.

निष्ठा *f.* (r. स्था praef. नि, v. gr. 80.) 1) sedes, habitatio (*cf.* परिणिष्ठा). BH. 18.50. 2) status, conditio, agendi, vivendi ratio. BH. 3.3. 5.17. 17.1. 3) finis, extremum; interitus, *v.* नैष्ठिक.

निष्ठीवन *n.* (r. ष्ठीव् praef. नि s. अन) actio spuendi, exspuendi. BHAR. 1.91.

निष्ठुर (r. स्था praef. नि s. उर) durus, asper, atrox. RAGH. 3.62. 8.64. HIT. 100.14.

निष्ठ्यूत v. ष्ठिव्, ष्ठीव् praef. नि.

निष्णात v. स्ना praef. नि.

निष्पन्द (ut mihi videtur, *BAH.* e निस् et obsoleto subst. स्पन्द, abjectâ praepositionis sibilante et mutato radicis स् in ष्, quanquam vulgo haec radix litteram स् immutatam retinet. Scribitur etiam निस्पन्द, quod Wils. sicut निष्पन्द a rad. पद् praefixo निस् deducit; निस् + पद् autem proprie e g r e d i significaret et r. पद् insertam nasalem non admittit) immotus. RAGH. 6.40. 15. 37. R. Schl. I. 55.15.

निष्पन्न v. पद् praef. निस्.

निष्पिष्ट v. पिष् praef. नि.

निस् *Praep. insep.* ex. (Cf. hib. particulas negativas *nis, nios, nir, nior* et v. composita ut निःशब्द.)

निसर्ग *m.* (r. सृज् praef. नि s. अ) 1) natura, indoles. RAGH. 3.35. 6.29. 2) jussus. SA. 1.15.

निस्तार *m.* (r. तृ praef. निस् s. अ) actio gratiam referendi, rependendi. HIT. 99.18.

निस्वन *m.* (r. स्वन् praef. नि s. अ) sonitus, strepitus. IN. 2.11. N. 21.34.

निहत v. हन् praef. नि.

निहन्तृ *m.* (r. हन् praef. नि s. तृ) occisor. A. 1.7.

निहित v. धा praef. नि.

नी 1. *P. A.* 1) ducere. H. 4.7.: नयिष्यामि त्वाम् अद्य यमसादनम्; Lass. 45.8.: ताम् ... स्वगृहन् निन्ये; SU. 2.20. R. Schl. I. 42.20. Secum ducere. R. Schl. II. 30.19.: माम् वनन् न चेन् नयिष्यसि विषम् पास्यामि. — नेतुम् वशम् in potestatem redigere. RAGH. 8. 19.: अनयत् ... वशम् एको नृपतीन् अनन्तरान्. 2) abducere. R. Schl. I. 22.4.: न रामन् नेतुम् अर्हसि. 3) ferre, portare. M. 14.: उद्धृत्या ’लिञ्जरात् ... तम् मत्स्यम् अनयद् वापीम् महतीम्; *ibd.* 18.20.22.23. 24.; H. 3.5.: आरुह्य ’माम् मम श्रोणीन् नेष्यामि त्वाम् विहायसा. 4) *de tempore* traducere, transigere. RAGH. 1.33.: कालं स निनाय; 1.95.: कुशशयने निशान् निनाय. *Caus.* portandum curare. MAN. 5.104.: न विप्रम् ... मृतं शूद्रेण नाययेत् (नापयेत् pro नाययेत् sicut e.c. मापयामि a मी, gr. 521.). (Cf. gr. *νέομαι,*